Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 180011619 Date: 13|06|2020 Fees Validity : 1 ~~Month~~ Year

नाम: Mr. Abhishek Lakhotia	जन्म तिथि: 13|09|1983	जन्म समय: 6:26 AM
जन्म स्थान: Patna, Bihar	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Shani Dev
लग्न: Kanya lagna	राशि: Vrishchik	नक्षत्र: अनुराधा – 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Budh (उच्च)(व)(अस्त)	Nill	Guru	50%
2.	Shani (उच्च)	50%	Chandra (नीच)	100%
3.	Shukra	0%	Mangal (नीच)	40%
4.	Rahu (व)	40%	Ketu (व)	40%
5.			Surya (स्व)	20%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): भद्र नामक पंच महापुरुष योग : (Achive = Nill), बुध का पन्ना अवश्य धारण करें। तभी यह योग फल दे सकता है।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, काल सर्प योग (कालमृता योग), गुरु चाण्डाल दोष, अंगारक योग

4. शुभ दिन: बुधवार, शनिवार, शुक्रवार

5. शुभ रंग: (हरा, काला, नीला) अशुभ: (लाल, पीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना	6+	Right	Little	चाँदी में बुधवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करना है।
2. ओपल	9+	Right	Middle	चाँदी में शुक्रवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करना है।
3. नीलम	5-6	Left	Middle	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में शाम को 8:15 PM पर शनिवार को धारण करें।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

माणिक्य, मूंगा, मोती, पुखराज, लहसुनिया (Cats eye), आदि रत्न वर्जित हैं।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना) 8:15 AM, शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज) 8:15 AM, शनि देव (नीलम) 4:15 PM का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) शनि देव :- शनि देव का नीलम धारण करने से रोग, कर्ज, शत्रु आदि दूर होंगे।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th.) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग, ह्रदय रोग, आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया, फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : सूर्य देव को रोजाना जल देना चाहिए!, गुरु देव, मंगल देव, चन्द्र देव का दान एवं पाठ पूजन करने से शरीर में रोग कम होंगे एवं परेशानी भी कम होगी।

11. Comments:

बुद्धिमान (intelligent), Calculative mind, Business-oriented mind रहेगा! दिमाग से काफी तेज रहेंगे!

Down to earth रहेंगे! जल्दी अपनी बड़ाई कभी नहीं करेंगे!

आप मन के मौजी रहेंगे। जो काम अच्छा लगता है उसे करेंगे और मोह बदल लग गया उस काम को बीच में छोड़ सकते हैं।

आप पर कोई काम जबरदस्ती से थोप नहीं सकते हैं। न तो एक जगह टिकते हैं और ना ही एक decision पर रहते हैं। यदि आपको कुछ पसन्द आ गया तो अपना decision तक बदल लेते हैं। साथ में स्थिर स्वभाव भी रहेगा! काफी सोच समझकर निर्णय लेंगे!

Scanned with CamScanner

☺ गुरु देव आपके चार्ट में केन्द्र आधिपति दोष से पीड़ित है। क्योंकि उनकी स्थिति गलत भाव (3rd house) में है। पत्नी और सुख सुविधाओं को उठाकर परेशानी में रख दिया है। Hardwork में रख दिया है। छोटी मोटी यात्राओं में रख दिया है एवं भागदौड़ के साथ-साथ पराक्रम / फिजूल की मेहनत काफी करनी होगी!

सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी आप उसे ठीक से enjoy नहीं कर पायेंगे। साथ में पत्नी की परेशानी भी रहेगी (due to Guru Dev).

Solution :-

1. केले के पेड़ रोजाना या Thursday को जल दें एवं पूजा करें!
2. हल्दी की गाँठ Thursday को जल प्रवाह करें!
3. पीले रंग की वस्तु का दान हर बृहस्पतिवार को करें!

Rest उपाय आगे report से देखकर follow करें!

☺ चन्द्रमा (नीच) होने के कारण मन अशान्त रहेगा एवं भागदौड़ लगी रहेगी! Hardwork करने के बाद ही धन आएगा। पराक्रम बना रहेगा! Maximum Time मन अशान्त रहेगा!

उपाय :- आगे report से देखकर चन्द्र का दान करें। दूध का दान सोमवार को करने से समस्याएं दूर जाएंगी!

Scanned with CamScanner

12. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

☺ सूर्य के कारण Hospital Bills, खर्च जरूरत से ज्यादा बना हुआ रहेगा। सूर्य को रोजाना जल दें एवं Sunday को 1 kg गेहूँ का दान करना उत्तम होगा!

☺ शनि की स्थिति काफी अच्छी है। सुख सुविधा मिलेगी, परिवार का support & धन आगमन शनिदेव के द्वारा ही होगा! धन की वृद्धि के लिए शनि का नीलम धारण कर सकते हैं।

☺ शुक्र आपके chart में बलहीन होने के कारण लाभ में कमी रहेगी एवं Bank में धन कम टिक के आएगा! ओपल, अवश्य धारण करें लाभप्रद होगा!

☺ कामकाज की growth / Career growth के लिए पन्ना भी धारण करना बहुत जरूरी है।

दशा :-

शुक्र की महादशा : 01/11/2011 to 01/11/2031 — अच्छी दशा (Nill). [ओपल धारण करें].

शुक्र/राहु/बुध :- 29/04/20 to 01/10/20 : good dasha (support).

शुक्र/राहु/केतु : 02/10/20 to 03/12/20 : खराब दशा (40%)
└ (केतु का दान करें आगे report में देखें)

शुक्र/राहु/शुक्र : 04/12/20 to 03/06/21 : अच्छी दशा

शुक्र/राहु/सूर्य : 04/06/21 to 28/07/21 : खराब (20%) (Hospital Bills खर्च बढ़ेगा)
└ (सूर्य के दान एवं उपाय करना है।)

शुक्र/राहु/चन्द्र : 29/07/21 to 28/10/21 : खराब दशा (80%) (चन्द्र के दान एवं उपाय करना है)

शुक्र/राहु/मंगल : 29/10/21 to 01/01/22 : खराब दशा (20%) - मंगल के दान & उपाय करना है।

Scanned with CamScanner

Download "Kiara Astrology App" from Google Play Store and Learn Astrology.

Stay Connected with Us.

Download App link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.kiara.astrology.android

Our Clients Say

Dr. S. K. Tiwari (Principal Scientific Officer, DGQA, Ordinance Factory, Kanpur)

Santosh Kumar Tiwari Sri Somvir ji is a man of high calibre having very sound knowledge of Astrology being a top class Technocrat. Every body should be associated with him to want to learn Astrology. With all good wishes Dr S K Tiwari Kanpur.

Love Reply Message · 8w 1

Priya Sharma (Astrologer, Yoga Trainer, MP)

Priya Sharma I am a big fan of u. Exactly aapki wjh se hi life ko rhik se ji rhe h. Many many thanks sir🙏😊

Love Reply Message · 8w 1

Veerji Koul (Doctor, Surgon @ Fortis Hospital, Delhi)

Veerji Koul recommends Kiara Astrology.

8 October 2019 ·

Very accurate prediction although I talk today only but the prediction he made was very accurate hand hope that the solution given work perfectly.

Soniya Sehgal recommends Kiara Astrology.

17 September 2019 ·

Very accurate, very supportive, not a money maker and very important he's also a genuine person. A positive soul too. Thanks a lot.. 😊

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: (मंगलवार को करना है)	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीव को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: (बुधवार को करना है)	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (बृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: (शनिवार को करना है)	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: (शनिवार को करना है)	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: (मंगल, बुधवार को करना है)	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)** ✓ & अमावस्या के दिन दान अवश्य करें।

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

Mr.Abhishek Lakhotia

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011619 Date: 13/06/2020

Mr.Abhishek Lakhotia

13 Sep 1983 06:26 AM

Patna

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Mr.Abhishek Lakhotia

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011619

Date: 13/06/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **13/09/1983**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **06:26:00 ïटे**
इष्ट	: 02:09:58 घटी
स्थान	: **Patna**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:37:00 उत्तर
रेखांश	: 85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 06:36:48 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:48 घंटे
साम्पातिक काल	: 06:02:39 घंटे
सूर्योदय	: 05:34:00 घंटे
सूर्यास्त	: 17:56:17 घंटे
दिनमान	: 12:22:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 26:03:29 सिंह
लग्न के अंश	: 06:58:07 कन्या

चैत्रादि संवत / शक	: 2040 / 1905
मास	: भाद्रपद
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 7
तिथि समाप्ति काल	: 19:21:21
जन्म तिथि	: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: अनुराधा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 11:53:52 घंटे
जन्म नक्षत्र	: अनुराधा
सूर्योदय कालीन योग	: विष्कुम्भ
योग समाप्ति काल	: 12:34:45 घंटे
जन्म योग	: विष्कुम्भ
सूर्योदय कालीन करण	: गर
करण समाप्ति काल	: 07:00:41 घंटे
जन्म करण	: गर
भयात	: 48:31:07
भभोग	: 62:10:48
भोग्य दशा काल	: शनि 4 वर्ष 1 मा 13 दि

अवकहड ा चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कन्या – बुध
राशि–स्वामी	: **वृश्चिक – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **अनुराधा – 4**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: विष्कुम्भ
करण	: गर
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ने–नैनसुख
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ाात चक्र	
मास	: आश्विन
तिथि	: 1-6-11
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: रेवती
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
प्रहर	: 1
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: वृश्चिक
सूर्य	: मकर
चन्द्र	: वृष
मंगल	: कुम्भ
बुध	: वृश्चिक
गुरु	: मीन
शुक्र	: मेष
शनि	: कर्क
राहु	: वृष

Mr.Abhishek Lakhotia

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:58:07	325:43:58	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	----
सूर्य			सिंह	26:03:29	00:58:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			वृश्चिक	13:46:29	12:44:43	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			कर्क	25:44:57	00:37:50	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	01:17:54	00:59:41	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			वृश्चिक	10:27:40	00:07:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	29:42:52	00:06:23	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			तुला	08:08:15	00:05:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	26:57:38	00:00:47	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चिक	26:57:38	00:00:47	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चिक	11:49:24	00:01:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	----
नेप			धनु	02:50:39	00:00:09	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	----
प्लूटो			तुला	04:18:12	00:02:00	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	----
दशम भाव			मिथु	06:58:43	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:29

लग्न–चलित

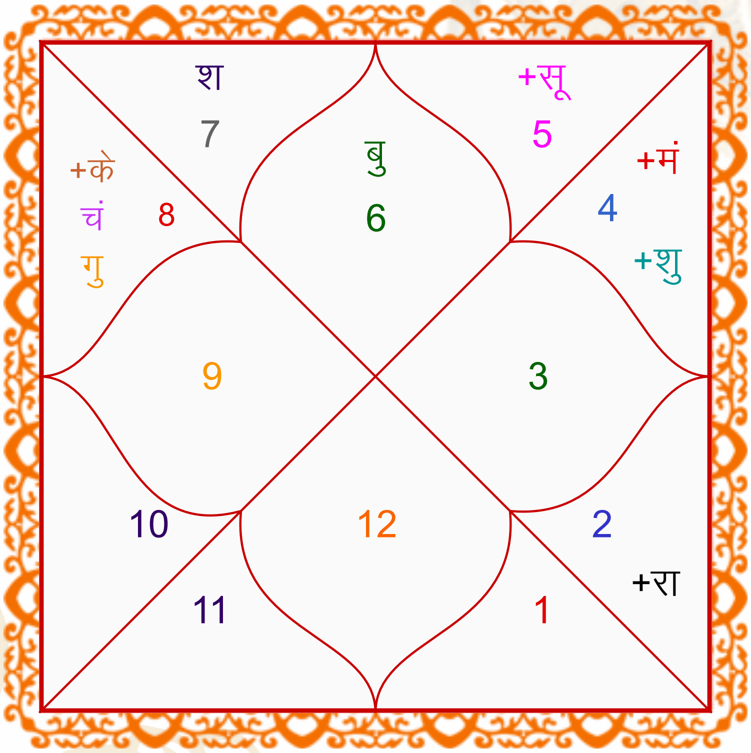

चन्द्र कुंडली

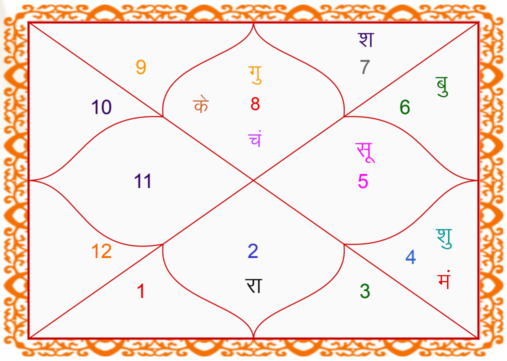

नवमांश कुंडली

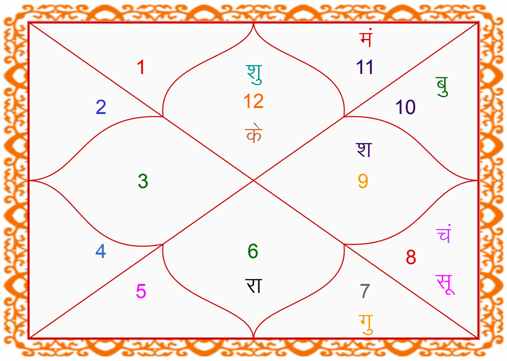

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	15	4	1	55	18	19	56
सप्तवर्गज बल	143	71	94	165	92	45	135
ओजयुग्मक बल	15	30	15	0	15	30	30
केन्द्र बल	15	15	30	60	15	30	30
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	15	0
कुल स्थान बल	187	120	140	280	140	139	251
कुल दिग्बल	34	52	44	58	39	18	10
नतोन्नत बल	33	27	27	60	33	33	27
पक्ष बल	34	68	34	26	26	26	34
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	71	58	50	33	3	48	46
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	138	198	215	179	122	107	107
कुल चेष्टाबल	0	0	15	51	27	51	13
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	0	-5	-6	-1	-5	-5	-2
कुल षट्बल	419	416	425	593	357	353	388
रूप षट्बल	7.0	6.9	7.1	9.9	6.0	5.9	6.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.4	1.2	1.4	1.4	0.9	1.1	1.3
संबंधित पद	3	5	1	2	7	6	4

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	22.13	9.65	3.37	53.42	22.10	31.21	26.67
कष्ट फल	34.71	43.85	51.54	6.24	37.22	19.17	13.68

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	593	353	425	357	388	388	357	425	353	593	416	419
भावदिग्बल	60	50	20	30	10	10	30	40	50	30	10	40
भावदृष्टि बल	0	0	11	30	6	31	63	50	52	37	19	31
कुल भाव बल	654	403	456	417	403	428	451	515	454	660	445	489
रूप भाव बल	10.9	6.7	7.6	7.0	6.7	7.1	7.5	8.6	7.6	11.0	7.4	8.2
संबंधित पद	2	12	5	10	11	9	7	3	6	1	8	4

Mr.Abhishek Lakhotia

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

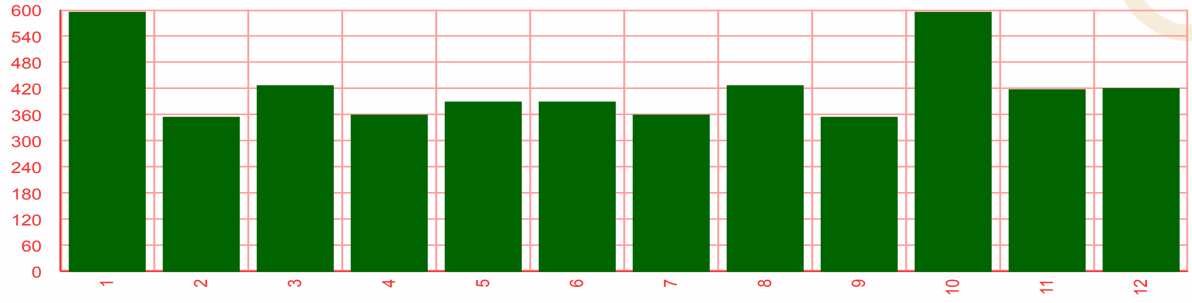

भावदिग्बल

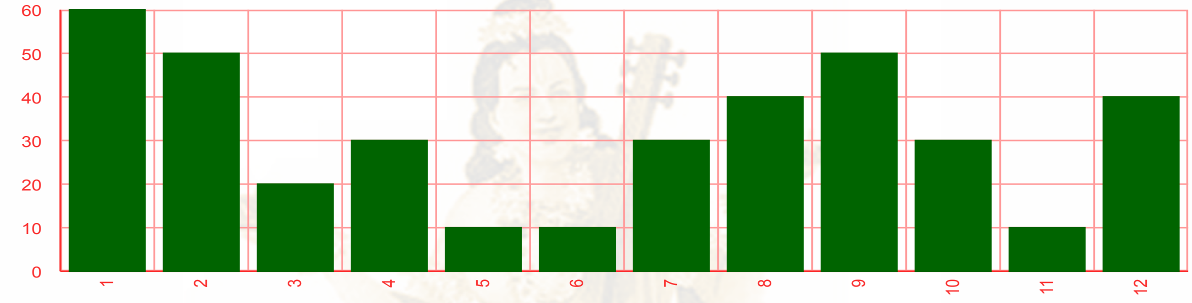

भावदृष्टि बल

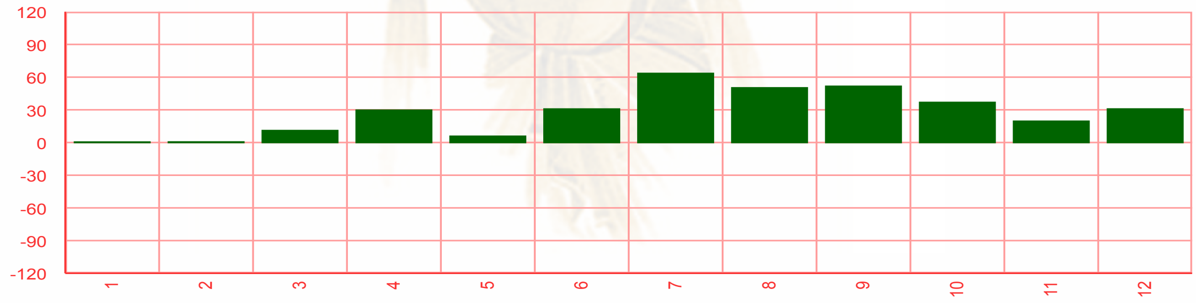

भाव बल

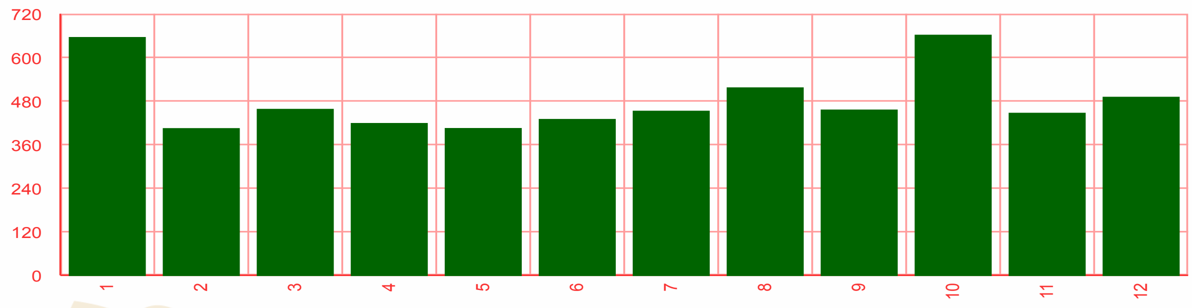

Mr.Abhishek Lakhotia

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 1 मास 13 दिन

शनि 19 वर्ष	
13/09/1983	
27/10/1987	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	13/09/1983
राहु	15/04/1985
गुरु	27/10/1987

बुध 17 वर्ष	
27/10/1987	
26/10/2004	
बुध	25/03/1990
केतु	22/03/1991
शुक्र	20/01/1994
सूर्य	26/11/1994
चंद्र	27/04/1996
मंगल	24/04/1997
राहु	11/11/1999
गुरु	16/02/2002
शनि	26/10/2004

केतु 7 वर्ष	
26/10/2004	
27/10/2011	
केतु	24/03/2005
शुक्र	24/05/2006
सूर्य	29/09/2006
चंद्र	30/04/2007
मंगल	27/09/2007
राहु	14/10/2008
गुरु	20/09/2009
शनि	30/10/2010
बुध	27/10/2011

शुक्र 20 वर्ष	
27/10/2011	
27/10/2031	
शुक्र	25/02/2015
सूर्य	26/02/2016
चंद्र	26/10/2017
मंगल	27/12/2018
राहु	26/12/2021
गुरु	26/08/2024
शनि	27/10/2027
बुध	27/08/2030
केतु	27/10/2031

सूर्य 6 वर्ष	
27/10/2031	
26/10/2037	
सूर्य	14/02/2032
चंद्र	14/08/2032
मंगल	20/12/2032
राहु	14/11/2033
गुरु	02/09/2034
शनि	15/08/2035
बुध	20/06/2036
केतु	26/10/2036
शुक्र	26/10/2037

चंद्र 10 वर्ष	
26/10/2037	
27/10/2047	
चंद्र	27/08/2038
मंगल	28/03/2039
राहु	26/09/2040
गुरु	26/01/2042
शनि	27/08/2043
बुध	26/01/2045
केतु	27/08/2045
शुक्र	27/04/2047
सूर्य	27/10/2047

मंगल 7 वर्ष	
27/10/2047	
27/10/2054	
मंगल	24/03/2048
राहु	12/04/2049
गुरु	19/03/2050
शनि	27/04/2051
बुध	24/04/2052
केतु	20/09/2052
शुक्र	20/11/2053
सूर्य	28/03/2054
चंद्र	27/10/2054

राहु 18 वर्ष	
27/10/2054	
26/10/2072	
राहु	09/07/2057
गुरु	02/12/2059
शनि	08/10/2062
बुध	27/04/2065
केतु	15/05/2066
शुक्र	15/05/2069
सूर्य	09/04/2070
चंद्र	09/10/2071
मंगल	26/10/2072

गुरु 16 वर्ष	
26/10/2072	
26/10/2088	
गुरु	14/12/2074
शनि	27/06/2077
बुध	03/10/2079
केतु	08/09/2080
शुक्र	10/05/2083
सूर्य	26/02/2084
चंद्र	27/06/2085
मंगल	03/06/2086
राहु	26/10/2088

शनि 19 वर्ष	
26/10/2088	
00/00/0000	
शनि	30/10/2091
बुध	09/07/2094
केतु	18/08/2095
शुक्र	18/10/2098
सूर्य	30/09/2099
चंद्र	01/05/2101
मंगल	10/06/2102
राहु	14/09/2103
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Mr.Abhishek Lakhotia

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - राहु	
27/12/2018	26/12/2021
राहु	09/06/2019
गुरु	02/11/2019
शनि	24/04/2020
बुध	26/09/2020
केतु	29/11/2020
शुक्र	30/05/2021
सूर्य	24/07/2021
चंद्र	23/10/2021
मंगल	26/12/2021

शुक्र - गुरु	
26/12/2021	26/08/2024
गुरु	05/05/2022
शनि	06/10/2022
बुध	21/02/2023
केतु	19/04/2023
शुक्र	29/09/2023
सूर्य	16/11/2023
चंद्र	05/02/2024
मंगल	02/04/2024
राहु	26/08/2024

शुक्र - शनि	
26/08/2024	27/10/2027
शनि	25/02/2025
बुध	08/08/2025
केतु	15/10/2025
शुक्र	26/04/2026
सूर्य	22/06/2026
चंद्र	27/09/2026
मंगल	03/12/2026
राहु	26/05/2027
गुरु	27/10/2027

शुक्र - बुध	
27/10/2027	27/08/2030
बुध	22/03/2028
केतु	21/05/2028
शुक्र	09/11/2028
सूर्य	31/12/2028
चंद्र	27/03/2029
मंगल	27/05/2029
राहु	29/10/2029
गुरु	16/03/2030
शनि	27/08/2030

शुक्र - केतु	
27/08/2030	27/10/2031
केतु	21/09/2030
शुक्र	01/12/2030
सूर्य	22/12/2030
चंद्र	27/01/2031
मंगल	20/02/2031
राहु	25/04/2031
गुरु	21/06/2031
शनि	28/08/2031
बुध	27/10/2031

सूर्य - सूर्य	
27/10/2031	14/02/2032
सूर्य	01/11/2031
चंद्र	11/11/2031
मंगल	17/11/2031
राहु	03/12/2031
गुरु	18/12/2031
शनि	04/01/2032
बुध	20/01/2032
केतु	26/01/2032
शुक्र	14/02/2032

सूर्य - चंद्र	
14/02/2032	14/08/2032
चंद्र	29/02/2032
मंगल	10/03/2032
राहु	07/04/2032
गुरु	01/05/2032
शनि	30/05/2032
बुध	25/06/2032
केतु	06/07/2032
शुक्र	05/08/2032
सूर्य	14/08/2032

सूर्य - मंगल	
14/08/2032	20/12/2032
मंगल	22/08/2032
राहु	10/09/2032
गुरु	27/09/2032
शनि	17/10/2032
बुध	04/11/2032
केतु	12/11/2032
शुक्र	03/12/2032
सूर्य	09/12/2032
चंद्र	20/12/2032

सूर्य - राहु	
20/12/2032	14/11/2033
राहु	07/02/2033
गुरु	23/03/2033
शनि	14/05/2033
बुध	30/06/2033
केतु	19/07/2033
शुक्र	12/09/2033
सूर्य	28/09/2033
चंद्र	26/10/2033
मंगल	14/11/2033

सूर्य - गुरु	
14/11/2033	02/09/2034
गुरु	23/12/2033
शनि	07/02/2034
बुध	20/03/2034
केतु	06/04/2034
शुक्र	25/05/2034
सूर्य	09/06/2034
चंद्र	03/07/2034
मंगल	20/07/2034
राहु	02/09/2034

सूर्य - शनि	
02/09/2034	15/08/2035
शनि	27/10/2034
बुध	15/12/2034
केतु	04/01/2035
शुक्र	03/03/2035
सूर्य	20/03/2035
चंद्र	18/04/2035
मंगल	09/05/2035
राहु	30/06/2035
गुरु	15/08/2035

सूर्य - बुध	
15/08/2035	20/06/2036
बुध	28/09/2035
केतु	16/10/2035
शुक्र	07/12/2035
सूर्य	22/12/2035
चंद्र	17/01/2036
मंगल	04/02/2036
राहु	22/03/2036
गुरु	02/05/2036
शनि	20/06/2036

सूर्य - केतु	
20/06/2036	26/10/2036
केतु	28/06/2036
शुक्र	19/07/2036
सूर्य	26/07/2036
चंद्र	05/08/2036
मंगल	13/08/2036
राहु	01/09/2036
गुरु	18/09/2036
शनि	08/10/2036
बुध	26/10/2036

सूर्य - शुक्र	
26/10/2036	26/10/2037
शुक्र	26/12/2036
सूर्य	13/01/2037
चंद्र	13/02/2037
मंगल	06/03/2037
राहु	30/04/2037
गुरु	18/06/2037
शनि	14/08/2037
बुध	05/10/2037
केतु	26/10/2037

चंद्र - चंद्र	
26/10/2037	27/08/2038
चंद्र	21/11/2037
मंगल	09/12/2037
राहु	23/01/2038
गुरु	05/03/2038
शनि	22/04/2038
बुध	04/06/2038
केतु	22/06/2038
शुक्र	12/08/2038
सूर्य	27/08/2038

Mr.Abhishek Lakhotia

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - मंगल	
27/08/2038	
28/03/2039	
मंगल	08/09/2038
राहु	10/10/2038
गुरु	08/11/2038
शनि	11/12/2038
बुध	11/01/2039
केतु	23/01/2039
शुक्र	27/02/2039
सूर्य	10/03/2039
चंद्र	28/03/2039

चंद्र - राहु	
28/03/2039	
26/09/2040	
राहु	18/06/2039
गुरु	30/08/2039
शनि	25/11/2039
बुध	10/02/2040
केतु	13/03/2040
शुक्र	13/06/2040
सूर्य	10/07/2040
चंद्र	25/08/2040
मंगल	26/09/2040

चंद्र - गुरु	
26/09/2040	
26/01/2042	
गुरु	30/11/2040
शनि	15/02/2041
बुध	25/04/2041
केतु	23/05/2041
शुक्र	12/08/2041
सूर्य	06/09/2041
चंद्र	16/10/2041
मंगल	14/11/2041
राहु	26/01/2042

चंद्र - शनि	
26/01/2042	
27/08/2043	
शनि	27/04/2042
बुध	18/07/2042
केतु	21/08/2042
शुक्र	25/11/2042
सूर्य	24/12/2042
चंद्र	11/02/2043
मंगल	16/03/2043
राहु	11/06/2043
गुरु	27/08/2043

चंद्र - बुध	
27/08/2043	
26/01/2045	
बुध	08/11/2043
केतु	09/12/2043
शुक्र	04/03/2044
सूर्य	30/03/2044
चंद्र	12/05/2044
मंगल	11/06/2044
राहु	28/08/2044
गुरु	05/11/2044
शनि	26/01/2045

चंद्र - केतु	
26/01/2045	
27/08/2045	
केतु	07/02/2045
शुक्र	14/03/2045
सूर्य	25/03/2045
चंद्र	12/04/2045
मंगल	24/04/2045
राहु	26/05/2045
गुरु	24/06/2045
शनि	27/07/2045
बुध	27/08/2045

चंद्र - शुक्र	
27/08/2045	
27/04/2047	
शुक्र	06/12/2045
सूर्य	05/01/2046
चंद्र	25/02/2046
मंगल	02/04/2046
राहु	02/07/2046
गुरु	21/09/2046
शनि	27/12/2046
बुध	23/03/2047
केतु	27/04/2047

चंद्र - सूर्य	
27/04/2047	
27/10/2047	
सूर्य	06/05/2047
चंद्र	22/05/2047
मंगल	01/06/2047
राहु	29/06/2047
गुरु	23/07/2047
शनि	21/08/2047
बुध	16/09/2047
केतु	27/09/2047
शुक्र	27/10/2047

मंगल - मंगल	
27/10/2047	
24/03/2048	
मंगल	05/11/2047
राहु	27/11/2047
गुरु	17/12/2047
शनि	10/01/2048
बुध	31/01/2048
केतु	08/02/2048
शुक्र	04/03/2048
सूर्य	12/03/2048
चंद्र	24/03/2048

मंगल - राहु	
24/03/2048	
12/04/2049	
राहु	21/05/2048
गुरु	11/07/2048
शनि	09/09/2048
बुध	03/11/2048
केतु	25/11/2048
शुक्र	28/01/2049
सूर्य	16/02/2049
चंद्र	20/03/2049
मंगल	12/04/2049

मंगल - गुरु	
12/04/2049	
19/03/2050	
गुरु	27/05/2049
शनि	20/07/2049
बुध	06/09/2049
केतु	26/09/2049
शुक्र	22/11/2049
सूर्य	09/12/2049
चंद्र	07/01/2050
मंगल	26/01/2050
राहु	19/03/2050

मंगल - शनि	
19/03/2050	
27/04/2051	
शनि	22/05/2050
बुध	18/07/2050
केतु	11/08/2050
शुक्र	17/10/2050
सूर्य	06/11/2050
चंद्र	10/12/2050
मंगल	03/01/2051
राहु	04/03/2051
गुरु	27/04/2051

मंगल - बुध	
27/04/2051	
24/04/2052	
बुध	18/06/2051
केतु	09/07/2051
शुक्र	07/09/2051
सूर्य	25/09/2051
चंद्र	25/10/2051
मंगल	16/11/2051
राहु	09/01/2052
गुरु	26/02/2052
शनि	24/04/2052

मंगल - केतु	
24/04/2052	
20/09/2052	
केतु	02/05/2052
शुक्र	27/05/2052
सूर्य	04/06/2052
चंद्र	16/06/2052
मंगल	25/06/2052
राहु	17/07/2052
गुरु	06/08/2052
शनि	30/08/2052
बुध	20/09/2052

मंगल - शुक्र	
20/09/2052	
20/11/2053	
शुक्र	30/11/2052
सूर्य	21/12/2052
चंद्र	26/01/2053
मंगल	19/02/2053
राहु	24/04/2053
गुरु	20/06/2053
शनि	27/08/2053
बुध	26/10/2053
केतु	20/11/2053